7.3.1 Portray the performance of the Institution in one area distinctive to its priority and thrust

कालेज के छात्रों ने सीखी ईंट निर्माण की विधि

ईंट निर्माण की जानकारी लेते छात्र और मौजूद अन्य। ● नईदुनिया

शहपुरा (नईदुनिया न्यूज)। शासकीय स्नातक कालेज शहपुरा के 20 छात्रों ने स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत द्वारा ईंट निर्माण का कार्य सीखा। मास्टर ट्रेनर के रूप में नोनी लाल चक्रवर्ती, कत्तो बाई, अनुज, अनुराग, चित्रांश, इशांत चक्रवर्ती सहित उनके परिवार के मार्गदर्शन में ईंट निर्माण की पूरी विधि को छात्रों ने अच्छी तरह से समझा और ईंट बनाई। बताया गया कि आगामी दिनों में भी चक्रवर्ती परिवार द्वारा छात्रों को स्वरोजगार के लिए पुनः प्रशिक्षण देने के लिए सहमति दी गई है।

कालेज प्राचार्य अजय भूषण, विवेकानंद कैरियर योजना के प्रभारी एसबी उरैती, कविता धुर्वे, डा. नेहा तिवारी, डा. बीपी झारिया, डा. ओपी पटेल, डा. एलपी अहिरवार सहभागी के रूप में उपस्थित रहे।

GOVT DEGREE COLLEGE SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)
IQAC Coordinator

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)

Bricks Making

GOVT DEGREE COLLEGE
IQAC Coordinator
SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)

उपज बढ़ाने के लिए दें वर्मी कंपोस्ट खाद

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

शहपुरा. शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा के विद्यार्थियों को जैविक कृषि प्रशिक्षक बिहारी लाल साहू द्वारा केचुआ खाद बनाने की विधि बताई गई। उन्होने बताया कि केंचुए हमारे मिट्टी में पाए जाने वाले प्राकृतिक जीव है जो बरसात के मौसम में अक्सर मिट्टी के बाहर दिखाई देते हैं। ये कचरे को बारीक पीसकर अकेले या मिट्टी के साथ खाते हैं और पचाने के बाद काले रंग की बारिक दानेदार खाद बाहर निकालते हैं। जिसे हम वर्मी कंपोस्ट कहते हैं।

केंचुए अपना भोजन जमीन के ऊपरी परत तथा निचली परत के कार्बनिक पदार्थों द्वारा प्राप्त करते हैं। जबकि ये अपनी कास्ट छोड़ने जमीन के ऊपर जाते हैं। केंचुए की कुल 2000-2500 तक की जातियां पाई जाती है। केंचुए उभय लिंगी होते हैं अर्थात् इनके शरीर पर नर व मादा दोनों प्रजनन अंग होते हैं परंतु एक केंचुए द्वारा प्रजनन संभव नहीं है। उन्होने बताया कि पिछले तीन-चार दशकों में रासायनिक खेती का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। इस प्रकार फसल सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के जहरीले कीट नाशी रसायनों का अधिकाधिक प्रयोग होने लगा है। इन रसायनों के प्रयोग से अन्य कीटों के साथ-साथ मिट्टी के मित्र जीव भी नष्ट हो जाते हैं। गुणवत्ता में गिरावट आ जाती है रासायनिक खादों से प्रारंभ में उत्पादक उत्पादकता तो बढ़ती है लेकिन बाद में धीरे-धीरे जमीन की जैविक उर्वरक कमजोर होकर समाप्त हो जाती है।

रासायनिक खाद की जगह वर्मी कंपोस्ट खाद से उत्पादकता बढ़ती है। कार्यक्रम में डीएसएस एमपी से एडवोकेट निर्मल साहू, डॉ महेश भूपति, विद्यार्थियों मे योगेश, संतराम, राजेन्द्र, यशवंत, कौशल, खुशबू, प्रेमलता, यशोदा देवकी आदि लोग उपस्थित रहे।

Training on Vermicomposting and Organic Farming

GOVT DEGREE COLLEGE SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)
IQAC Coordinator

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)

College ChaloAbhiyan

GOVT DEGREE COLLEGE SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)
IQAC Coordinator

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)

Youth Festival

GOVT DEGREE COLLEGE
IQAC
Coordinator
SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)

Yog Divas

GOVT DEGREE COLLEGE
IQAC
Coordinator
SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)

GOVT DEGREE COLLEGE
IQAC
Coordinator
SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)

Swachh Bharat Abhiyan

GOVT DEGREE COLLEGE SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)
IQAC Coordinator

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)

ग्राम टिकरिया में सामाजिक समरसता एवं समाज सेवा कार्यक्रम

15 मई 2023

डिंडौरी यश भारत। शासन के आदेशानुसार एवं शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा के प्राचार्य जी के मार्गदर्शन मे सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा के द्वारा महाविद्यालय के ग्राम टिकरिया पर नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कि डॉक्टर ओमप्रकाश पटेल द्वारा समाज कार्य और समाज सेवा के महत्व बताया और समाज कल्याण, राष्ट्र कल्याण के लिए कितना महत्व पूर्ण है,महान सामाजिक कार्यकर्ता के उदाहरण देते हुए डॉ. बी आर अम्बेडकर, महात्मा गाँधी, कैलाश सत्यार्थी द्वारा किये गये। कार्यों को बताया इसी क्रम में डॉक्टर स्मिता गुप्ता द्वारा सामाजिक समरसता मे अपनी बात रखी, उन्होने नें भगवान राम द्वारा खाये गए बेरो के माध्यम से सामाजिक एकता का सन्देश दिए

GOVT DEGREE COLLEGE SHAHPURA DISTT DINDORI(MP)
IQAC Coordinator

प्राचार्य
शासकीय स्नातक महाविद्यालय
शहपुरा जिला डिण्डौरी(म.प्र.)